एम. ए. हिंदी कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए)

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

<u>मॉड्यूल '1' – कहानी : विशेष अध्ययन</u>
एम.एच.डी–09 : कहानी : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी–10 : प्रेमचंद की कहानियां
एम.एच.डी–11 : हिंदी कहानी
एम.एच.डी–12 : भारतीय कहानी

(पृष्ठ 1 से 8 तक)

मॉड्यूल '1' – कहानी : विशेष अध्ययन
(एम.एच.डी. : 9 से 12 तक)

एम.एच.डी.–09 : कहानी; स्वरूप और विकास

सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–09
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–09/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

खंड 'क'

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 15 × 4 = 60

1. 'कथा' और 'आख्यान' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनके परस्पर संबंध और विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

2. आधुनिक विधा के रूप में कहानी के उदय को रेखांकित कीजिए।

3. कहानी और अन्य गद्य विधाओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. अमेरिका में कहानी के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

5. प्रेमचंद कालीन हिंदी कहानियों की मुख्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

खंड 'ख'

6. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : 10×4=40

   (क) छोटी कहानी (short story)

   (ख) हिंदी कहानी के विकास में पत्र–पत्रिकाओं की भूमिका

   (ग) लैटिन अमेरिकी देशों में कहानी

   (घ) राष्ट्रीय आंदोलन और भारतीय कहानी

एम.एच.डी.–10 : प्रेमचंद की कहानियाँ

सत्रीय कार्य

(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–10
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–10/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 10x2=20

(क) ऐसा काम ढूँढना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है, जिससे सदैव प्यास मिटती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, उसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ। इस विषय में विवेक की बड़ी आवश्यकता है। मनुष्य को देखो, उसकी आवश्यकता को देखो और अवसर देखो, उसके उपरांत जो उचित समझो, करो। गरजवाले आदमी के साथ कठोरता करने में लाभ ही लाभ है। लेकिन बेगरज को दाँव पर पाना जरा कठिन है। इन बातों को निगाह में बाँध लो। यह मेरी जन्म भर की कमाई है।

(ख) रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था। चारपाइयों पर मेहमान विश्राम करते हुए नाइयों से मुक्कियाँ लगवा रहे थे। समीप ही खड़ा हुआ भाट विरदावली सुना रहा था और कुछ भावज्ञ मेहमानों की ''वाह, वाह'' पर ऐसा खुश हो रहा था मानो इस वाह–वाह का यथार्थ में वही अधिकारी है। दो–एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

(ग) शंकर ने साल भर तक कठिन तपस्या की; मीयाद के पहले रुपये अदा करने का उसने व्रत सा ले लिया। दोपहर को पहले भी चूल्हा न जलता था, चबेने पर बसर होती थी, अब वह भी बंद हुआ, केवल लड़के के लिए रात को रोटियाँ रख दी जातीं। पैसे रोज का तम्बाकू भी पी जाता था, यह एक व्यसन था, जिसका वह कभी त्याग न कर सका था। अब वह व्यसन भी इस कठिन व्रत की भेंट हो गया। उसने चिलम पटक दी, हुक्का तोड़ दिया और तम्बाकू की हाँड़ी चूरचूर कर डाली। कपड़े पहले भी त्याग की चरम सीमा तक पहुँच चुके थे, अब वह प्रकृति की न्यूनतम रेखाओं में आबद्ध हो गये।

2. प्रेमचंद की कहानियों में राष्ट्रवादी चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

3. 'किसान समस्या और प्रेमचंद की कहानियाँ' विषय पर चर्चा कीजिए। 16

4. 'मंदिर' और 'सद्गति' कहानी के आधार पर प्रेमचंद के दलित जीवन संबंधी विचारों की विवेचना कीजिए। 16

5. प्रेमचंद की कहानियों के शिल्प–पक्ष पर विचार कीजिए। 16

6. संघर्ष एवं मुक्ति की गाथा के रूप में 'दो बैलों की कथा' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। 16

एम. एच. डी.–11 : हिन्दी कहानी
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–11
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–11/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए: 10 x 2=20

(क) शकलदीप बाबू का चेहरा फक पड़ गया। उनके पैरों में जोर नहीं था और मालूम पड़ता था कि वे गिर जाएंगे। जंगबहादुर सिंह तो मंदिर में चले गए। लेकिन वे कुछ दूर तक वहीं सिर झुकाकर इस तरह खड़े रहे, जैसे कोई भूली बात याद कर रहे हों। फिर वे चौंक पड़े और अचानक उन्होंने तेजी से चलना शुरू कर दिया। उनके मुंह से धीमें स्वर में तेजी से शिव–शिव निकल रहा था। आठ–दस गज आगे बढ़ने पर उन्होंने चाल और तेज कर दी, पर शीघ्र ही बेहद थक गए और एक नीम के पेड़ के नीचे खड़े हो हांफने लगे।

(ख) उसे कैसे बताऊँ कि मेरे प्यार का, मेरी कोमल भावनाओं का, भविष्य की मेरी अनेकानेक योजनाओं का एकमात्र केन्द्र संजय ही है। यह बात दूसरी है कि चाँदनी रात में, किसी निर्जन स्थान में, पेड़–तले बैठकर भी मैं अपनी थीसिस की बात करती हूँ या वह अपने ऑफिस की, मित्रों की बातें करता है, या हम किसी और विषय पर बात करने लगते हैं.....पर इस सबका यह मतलब तो नहीं कि हम प्रेम नहीं करते! वह क्यों नहीं समझता कि आज हमारी भावुकता यथार्थ में बदल गई है, सपनों की जगह हम वास्तविकता में जीते हैं! हमारे प्रेम को परिपक्वता मिल गई है, जिसका आधार पाकर वह अधिक गहरा हो गया है, स्थायी हो गया है।

(ग) राजनीतिक हमजोलियों के बीच उसने घोषणा कर दी थी,''मैंने दहेज नहीं लिया है और एक गरीब लड़की का उद्धार किया है।'' वह अपनी इस गप्प पर मुग्ध होता और अकस्मात् दहेज प्रथा के विरुद्ध संक्षिप्त भाषण करने लगता है। वह कहता, ''भारतवर्ष के नवयुवकों को बाल–विधवाओं और विपन्न कुँवारी कन्याओं के उद्धार के लिए आगे बढ़कर महानता की मिसाल कायम करनी चाहिए। मुझे देखिए, मैंने तो दुखियारी की ज़िन्दगी सँवार दी। मेरी बीवी सावित्री आज सुखी है और मेरा एहसान मानती है।''

2. 'तीसरी कसम' कहानी की आंचलिकता पर प्रकाश डालिए। 16

3 'राजा निरबंसिया' कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए। 16

4. नई कहानी आंदोलन में मोहन राकेश की कहानियों के महत्व को रेखांकित कीजिए। 16

5. रवीन्द्र कालिया की कहानी 'गौरैया' की अंतर्वस्तु को स्पष्ट कीजिए। 16

6. 'सिलिया' कहानी में अभिव्यक्त दलित नारी चेतना का मूल्यांकन कीजिए। 16

एम. एच. डी.–12 : भारतीय कहानी
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–12
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–12/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः 10 x 2=20

(क) कुछ समय को मेरा मन उस बाग के सौंदर्य पान से तृप्त होकर अवर्णनीय सुख अनुभव करने लगा। बाग की ठंडक हवा में घुलकर बह रही थी। कुएं के चारों ओर तरह–तरह के फूल लगे थे। उनकी सारी सुगंध ठंडी हवा लूटे जा रही थी। नाना जाति के पक्षियों का कलरव आकाश में, पेड़ों में, पौधों में सब ओर सुनाई पड़ रहा था। मेरा हृदय पक्षियों के साथ पक्षी, और फूलों के साथ फूल बन बैठा। तब ऐसा लगा, पता नहीं क्यों कविगण अनदेखे स्वर्ग का वर्णन करते हैं। जहां सुख होता है वहीं स्वर्ग होता है।

(ख) शांति ने शर्म से गर्दन झ़का ली। जवान होने के बाद आज वह पहली बार उससे बोला था। उसके शरीर को छुआ था, इसलिए वह खुश हो गई थी। उसके प्रति मन में पैदा हुई चिढ़ कम हो गई थी, लेकिन उसके मन में उथल–पुथल मची हुई थी। नितांत निराश आवाज़ में वह बोलने लगा, ''कैसी है यह संस्कृति? जहां बेटा मां को भंगी–काम करने पर तुच्छ समझता है! द्वेष करता है, उसके हाथ का अन्न खाने से झिझकता है। इस संस्कृति ने अस्पृश्यता पैदा नहीं की होती तो मैं अपनी बूढ़ी मां को प्रचंड पीड़ा देने वाला दैत्य नहीं बना होता। मां!.....''

(ग) एक पागल तो हिंदुस्तान, पाकिस्तान और पाकिस्तान के चक्कर में कुछ ऐसा गिरफ्तार हुआ कि और ज़्यादा पागल हो गया। झाड़ू देते–देते वह एक दिन दरख़्त पर चढ़ गया और टहनी पर बैठकर दो घंटे निरंतर तक़रीर करता रहा, जो पाकिस्तान और हिंदुस्तान के नाजुक मसले पर थीं.....सिपाहियों ने जब उसे नीचे उतरने को कहा तो वह और ऊपर चढ़ गया। जब उसे डराया–धमकाया गया तो उसने कहाः ''मैं न हिंदुस्तान में रहना चाहता हूँ न पाकिस्तान में.....मैं इस दरख़्त पर रहूँगा.....।'' बड़ी देर के बाद जब उसका दौरा सर्द पड़ा तो वह नीचे उतरा और अपने हिंदू–सिख दोस्तों से गले मिल–मिलाकर रोने लगा। इस ख़्याल से उसका दिल भर आया था कि वह उसे छोड़कर हिंदुस्तान चले जाएंगे.....।

2. 'लड़की जिसकी मैंने हत्या की' कहानी की कथावस्तु का विश्लेषण कीजिए। 16

3. कालीपट्नम रामाराव की कहानियों में सामाजिक दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 16

4. आदिवासी जन–जीवन की अभिव्यक्ति के संदर्भ में 'बघेई' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। 16

5. 'चिता' कहानी की अन्तर्वस्तु का विश्लेषण करते हुए उसकी शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

6. विभाजन की त्रासदी के संदर्भ में 'टोबा टेक सिंह' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। 16